

क्या क्या कमाया हमने आओ हिसाब कर ले भजन लिरिक्स



क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले,
दुनिया की बात छोड़े,
अपनी किताब पढ़ ले,
क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले।

तर्ज - मेरा आपकी कृपा से।

कितनो का दिल दुखाया,
कितनो के दिल को तोड़ा,
कितनो का प्यार पाया,
कितनो को खुद से जोड़ा,
क्या क्या गंवाया हमने,
आओ हिसाब कर ले,
क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले।

कितनी करी है सेवा,
कितना करा दिखावा,
कितना छूला जगत को,
बनकर के एक छूलावा,
कैसे बिताया जीवन,
आओ हिसाब कर ले,
क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले।

कितना फरज निभाया,
कितना किया करम है,
अब तक क्या हमने जाना,
अपना भी क्या धर्म है,
कैसे निभाया रिश्ता,
आओ हिसाब कर ले,
क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले।



हम जागरण में जागे,
ज्योति सदा जलाई,
जयकारे खूब बोले,
नाचे कमर हिलाई,
कितना जगाया मन को,
'रोमी' हिसाब कर ले,
क्या क्या कमाया हमनें,
आओ हिसाब कर ले। **bd।**

क्या क्या कमाया हमने,
आओ हिसाब कर ले,
दुनिया की बात छोड़े,
अपनी किताब पढ़ ले,
क्या क्या कमाया हमनें,
आओ हिसाब कर ले। **bd।**

स्वर तथा लेखन – सरदार रोमी जी।